मार्कफील्ड हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
बी-3, एडिशनल इंडस्ट्रियल कॉलोनी, जालना, कस्टमर केयर मोबाइल नंबर 9405782668

फूलगोभी

हाइब्रिड/किस्में: - दिपाली, नेहा

जमीन :- या पिकास कोणत्याही प्रकारची चांगला पाण्याचा निचरा होणारी जमीन चालते. जमिनीस 3-4 वखराच्या पाळ्या देऊन चांगली भुसभुशीत करावी. भरपूर सेंद्रिय खत घातलेली चांगली मशागत केलेल्या जमिनीत पीक चांगले येते. मातीची पीएच 5.5 ते 6.5 च्या श्रेणीत असावी. हे अत्यंत अम्लीय मातीत चांगले वाढू शकत नाही.

जमीन तयार करणे: जमिनीस 3-4 वखराच्या पाळ्या देऊन चांगली भुसभुशीत करावी. भरपूर सेंद्रिय खत घातलेली चांगली मशागत केलेल्या जमिनीत पीक चांगले येते.

पेरणीची वेळः लवकर येणाऱ्या जाती जून-जुलैच्या सुरुवातीच्या हंगामात प्रत्यारोपणाची योग्य वेळ आहे. मुख्य हंगामातील ऑगस्ट ते सप्टेंबर ते सप्टेंबर ते ऑक्टोबर तसेच ऑक्टोबर ते नोव्हेंबरच्या पहिल्या आठवड्यात उशीरा वाणांसाठी उत्तम प्रत्यारोपण कालावधि आहे.

अंतर: मुख्य सीझन पिकासाठी 45x45 सेमी अंतर वापरा तर लवकर आणि उशीरा परिपक्व पीकांचा वापर 45x30 सेमीचा वापर करा.
पेरणी खोली: 1-2 सेमी खोलीत बियाणे पेरा.
पेरणीची पद्धत: पेरणीसाठी डायबिलिंग पद्धत आणि प्रत्यारोपणाच्या पद्धती वापरल्या जाऊ शकतात.
नर्सरीमध्ये बियाणे पेरा आणि आवश्यकतेनुसार सिंचन, खत डोस लागू करा. पेरणीनंतर 25-30 दिवसांच्या आत रोपे प्रत्यारोपण करण्यास तयार आहेत. प्रत्यारोपणासाठी तीन ते चार आठवड्यांच्या रोपे वापरा.

बियाणे दर: सुरुवातीच्या हंगामात 500 ग्रॅमच्या विविध प्रकारचे बियाणे दर आवश्यक आहे तर उशीरा आणि मुख्य हंगामात प्रति एकर 250 ग्रॅमच्या बियाणे दर आवश्यक आहेत.
बियाणे उपचारः गरम पाण्यात बुडवण्यापूर्वी (30 मिनिटांसाठी 50 डिग्री सेल्सियस) किंवा स्ट्रेप्टोसायक्लिन@०.०१ ग्रॅम/एलटीआर दोन तास. उपचारानंतर त्यांना सावलीत कोरडे करा आणि नंतर पलंगावर पेरणी करा.

खत (किलोग्राम प्रति एकर): नायट्रोजन@50 किलो, फोफोरस@25 किलो आणि पोटॅश@यूरियाच्या 25 किलो, एकल सुपरफॉस्फेट@155 किलो आणि पोटॅश@40 किलो यूरियाच्या स्वरूपात 25 किलो, फोफोरस@25 किलो आणि पोटॅश@पोटॅश@पोटॅश@50 किलो आणि पोटॅश@40 किलो. प्रत्यारोपण करण्यापूर्वी संपूर्ण मात्रा काऊडंग, एसएसपी आणि एमओपी आणि अर्ध्या प्रमाणात युरिया लागू करा. टॉप ड्रेसिंग म्हणून प्रत्यारोपणानंतर चार आठवड्यांनंतर उर्वरित यूरियाची उर्वरित प्रमाणात लागू करा.

रोग नियंत्रण: खत सोबत, फेरटेरा (ड्युपॉन्ड) 4 किलो प्रति एकर किंवा व्हर्टिको (सिंजेन्टा) 2.5 किलो प्रति एकर वापरा. हे प्रमाण 21 दिवसांसाठी कीटकांना कीटकांपासून संरक्षण देते.

Sl.	Disease/Pest	Control	Amount per litre of water
1	Downy Mildew	Ridomil Gold	02 g lit
2	Black rot	Blue Copper	01 g per lit
3	Diamond back moth	Fem	04 ml per 15 lit
4	Leaf Eating Caterpillar	Coragen	0.4 ml per lit
5	Sucking pest	Actra	04 g per 10 lit

तण नियंत्रण: तण नियंत्रण तपासण्यासाठी फ्लुक्लोरलिन (बासालिन) 800 मिलीलीटर/150-200 एलटीआर पाणी प्रत्यारोपणाच्या आधी, प्रत्यारोपणाच्या 30 ते 40 दिवसांनी हाताने तण घेत. रोपांच्या प्रत्यारोपणाच्या एक दिवस आधी पेंडिमेथलिन@1 एलटीआर/एकर लागू करा.

सिंचन: प्रत्यारोपणानंतर लगेचच प्रथम सिंचन द्या. माती, हवामानाच्या स्थितीनुसार, उन्हाळ्याच्या हंगामात 7-8 दिवसांच्या अंतराने आणि हिवाळ्याच्या हंगामात 10-15 दिवसांच्या अंतरावर सिंचन लागू करा.

कापणी: योग्य डोके कापणी विकसित केल्यानंतर. सकाळी किंवा संध्याकाळी कापणी करा. कापणीनंतर उत्पादन थंड ठिकाणी ठेवा. कापणीनंतर, दही आकारानुसार क्रमवारी लावून वर्गीकरण करा.

टीप:- वरील सर्व माहिती आमच्या संशोधन केंद्रात केलेल्या प्रयोगावर आधारित आहे. भिन्न हवामान, मातीचा प्रकार आणि वेगवेगळ्या ठिकाणी हंगामांमुळे वरील माहिती बदलू शकते.

मार्कफील्ड हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड
बी-3, एडिशनल इंडस्ट्रियल कॉलोनी, जालना, कस्टमर केयर मोबाइल नंबर 9405782668

फूलगोभी

हाइब्रिड/किस्में: - दिपाली, नेहा

मिट्टी: यह फसल रेतली दोमट से चिकनी किसी भी तरह की मिट्टी में उगाई जा सकती हैं। देर से बीजने वाली किस्मों के लिए चिकनी दोमट मिट्टी को पहल दी जाती है। जल्दी पकने वाली के लिए रेतली दोमट का प्रयोग करें। मिट्टी की पी एच 6-7 होनी चाहिए। मिट्टी की पी एच बढ़ाने के लिए उसमें चूना डाला जा सकता है।

भूमि की तैयारी: खेत को अच्छी तरह जोतकर नर्म करें। अच्छी तरह गली हुई रूड़ी की खाद आखिरी जोताई के समय डालें।

बिजाई का समय; अगेती किस्मों के लिए जून-जुलाई रोपाई के लिए सबसे अच्छा समय है और पिछेती किस्मों के लिए अगस्त से मध्य सितंबर और अक्तूबर से नवंबर का पहला सप्ताह रोपाई के लिए अच्छा समय है।

फासला: अगेती किस्मों के लिए 45x45 से.मी. और पिछेती किस्मों के लिए 45x30 से.मी. का फासला होना चाहिए।
बीज की गहराई: बीजों को 1-2 सैं.मी. की गहराई पर बोयें।

बिजाई का ढंग: बिजाई के लिए डिबलिंग विधि और रोपण विधि का प्रयोग किया जाता है।
नर्सरी में बीजों को बोयें और आवश्यकतानुसार खादें और सिंचाई दें। बिजाई के 25-30 दिन बाद पौधे रोपाई के लिए तैयार हो जाते हैं। रोपाई के लिए 3-4 सप्ताह पुराने पौधों का प्रयोग करें।
बीज की मात्रा : अगेते मौसम की किस्मों के लिए 500 ग्राम, जबकि पिछेते और मुख्य मौसम की किस्मों के लिए 250 ग्राम बीज की प्रति एकड़ में आवश्यकता होती है।

खादें (किलोग्राम प्रति एकड़): खेत में 40 टन पूरी तरह गली हुई रूड़ी की खाद डालें और साथ ही 50 किलो नाइट्रोजन, 25 किलो फासफोरस और 25 किलो पोटाश (110 किलो यूरिया, 155 किलो सुपरफासफेट और 40 किलो म्यूरेटे ऑफ पोटाश) सारी रूड़ी की खाद, सुपरफासफेट और म्यूरेटे ऑफ पोटाश और आधा यूरिया फसल रोपाई से पहले डालें। बाकी बचा यूरिया बीजने के चार सप्ताह बाद डाल देना चाहिए।

अच्छी पैदावार लेने के लिए और अधिक फूलों के लिए 5-7 ग्राम घुलनशील खादें (19:19:19) प्रति लि. का प्रयोग करें। रोपाई के 40 दिनों के बाद 4-5 ग्राम 12:16:0, नाइट्रोजन और फासफोरस, 2.5-3 ग्राम लघु तत्व और 1 ग्राम बोरोन प्रति लि. का छिड़काव करें। फूल की अच्छी गुणवत्ता के लिए 8-10 ग्राम घुलनशील खादें (13:00:45) प्रति लि. पानी में मिलाएं।

रोग और कीट नियंत्रण :-खाद के साथ फरटेरा (डूपौंड) 4 किलो प्रति एकडं अथवा व्हर्टिको (सिंजेंटा) 2.5 किलो प्रति एकडं इस प्रमाण से एस्तेमाल करणे से 21 दिन तक रस चुसानेवाले किट से संरक्षण मिलता है.

Sl.	Disease/Pest	Control	Amount per litre of water
1	Downy Mildew	Ridomil Gold	02 g lit
2	Black rot	Blue Copper	01 g per lit
3	Diamond back moth	Fem	04 ml per 15 lit
4	Leaf Eating Caterpillar	Coragen	0.4 ml per lit
5	Sucking pest	Actra	04 g per 10 lit

खरपतवार नियंत्रण: नदीनों को रोकने के लिए फसल को खेत में लगाने के बाद फलुक्लोरालिन(बसालिन) @800 मि.ली. को 150 लि. पानी में मिलाकर छिड़काव करें और 30-40 दिनों के बाद रोपाई करें। फसल को खेत में लगाने से 1 दिन पहले पैंडीमैथलीन 1 लि. प्रति एकड़ का छिड़काव करें।

सिंचाई: रोपाई के बाद तुरंत पहली सिंचाई करें। मिट्टी, जलवायु, के आधार पर गर्मियों में 7-8 दिनों के अंतराल पर और सर्दियों में 10-15 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करें।
फसल की कटाई: पूरा फूल विकसित होने पर सुबह के समय फूलों की कटाई की जा सकती है और कटाई के बाद फूलों को ठंडी जगह पर रखना चाहिए। कटाई के बाद फूलों को आकार के अनुसार छांट लें।

नोट:- उपरोक्त सभी जानकारी हमारे शोध केंद्र में किए गए प्रयोग पर आधारित है। उपरोक्त जानकारी अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग जलवायु, मिट्टी के प्रकार और मौसम के कारण अलग-अलग हो सकती है।

Markfield Hybrid Seeds Pvt. Ltd.
B-3, Additional Industrial Colony, Jalna, Customer Care Mobile No. 9405782668

Cauliflower

Hybrids/Varieties: - Deepali, Neha

Soil: It can grow well in wide range of soil from sandy loam to clay. For late sown variety, clay loam soils are preferred and for early maturing varieties sandy loam soil is recommended. pH of soil should be in range of 6 to 7. Add lime in case of low pH soil.

Land preparation: Bring soil to fine tilth by ploughing land thoroughly. Add well decomposed cow dung and mixed well in soil at time of last ploughing.

Time of sowing: For early season variety June-July is best transplanting time, For main season variety August to mid-September and October to first week of November is best transplanting for late varieties.

Spacing: Use spacing of 45x45 cm for main season crop whereas for early and late maturing crop use spacing of 45x30 cm.
Sowing Depth: Sow seeds at depth of 1-2 cm.
Method of sowing: For Sowing dibbling method and transplanting methods can be used.
Sow seeds in nursery and apply irrigation, fertilizer dose as per requirement. Seedlings are ready to transplant within 25-30 days after sowing. For transplantation use three to four weeks old seedlings.

Seeds Rate: For early season variety seed rate of 500 gm is required whereas for late and main season variety seed rate of 250 gm per acre is required.
Seed Treatment: Before sowing dip seeds in hot water (50°C for 30 min) or streptocycline@0.01 gm/Ltr for two hours. After treatment dry them in shade and then sow on bed.

Fertilizer: Apply well decomposed cow dung@40 tonnes per acre in soil along with Nitrogen@50 kg, Phophorus@25 kg and Potash@25 kg in form of Urea@110 kg, Single Superphosphate@155 kg and Muriate of Potash@40 kg. Apply whole quantity of cowdung, SSP and MOP and half quantity of Urea before transplanting. Apply remaining quantity of Urea four week after transplanting as top dressing.

Disease and Pest Control
Along with fertilizer, use Fertera (Dupond) 4 kg per acre or Vertico (Syngenta) 2.5 kg per acre. This ratio gives protection from sucking pests for 21 days.

Sl.	Disease/Pest	Control	Amount per litre of water
1	Downy Mildew	Ridomil Gold	02 g lit
2	Black rot	Blue Copper	01 g per lit
3	Diamond back moth	Fem	04 ml per 15 lit
4	Leaf Eating Caterpillar	Coragen	0.4 ml per lit
5	Sucking pest	Actra	04 g per 10 lit

Weed Control: To check weed control apply Fluchloralin (Basalin)800ml/150-200 Ltr water before transplantation followed by hand weeding 30 to 40 days after transplanting. Apply Pendimethalin@1 Ltr/acre one day before transplanting of seedlings.

Irrigation: Immediately after transplanting, give first irrigation. Depending upon soil, climatic condition, apply irrigation at interval of 7-8 days in summer season and 10-15 days during winter season.

Harvesting: After developing proper head harvesting can be done. Carry out harvesting in morning or evening time. After harvesting keep product in cool place. After harvesting, do sorting and grading depending upon curd size.

Note:- All the above information is based on the experiment conducted at our research center. The above information may vary due to different climate, soil type and seasons at different places.

માર્કફિલ્ડ હાઇબ્રિડ સીડ્સ પ્રા. લિ.
બી-૩, વધારાની ઔદ્યોગિક વસાહત, જાલના, કસ્ટમર કેર મોબાઇલ નંબર ૯૪૦૫૭૮૨૬૬૮

ફૂલકોબી
સંકર/જાતો: - દીપાલી, નેહા

માટી: તે રેતાળ લોમથી લઈને માટી સુધીની વિશાળ શ્રેણીની જમીનમાં સારી રીતે ઉગી શકે છે. મોડી વાવણીની જાતો માટે, માટી લોમવાળી માટી પસંદ કરવામાં આવે છે અને વહેલી પાકતી જાતો માટે રેતાળ લોમવાળી માટીની ભલામણ કરવામાં આવે છે. માટીનો pH ૬ થી ૭ ની રેન્જમાં હોવો જોઈએ. ઓછી pHવાળી જમીનના કિસ્સામાં ચૂનો ઉમેરો.

જમીનની તૈયારી: જમીનને સારી રીતે ખેડીને જમીનને ઝીણી ખેડાણ કરો. સારી રીતે વિઘટિત ગાયનું છાણ ઉમેરો અને છેલ્લી ખેડાણ સમયે જમીનમાં સારી રીતે ભેળવી દો.

વાવણીનો સમય: શરૂઆતની ઋતુની જાત માટે જૂન-જુલાઇ શ્રેષ્ઠ રોપણી સમય છે, મુખ્ય ઋતુની જાત માટે ઓગસ્ટથી મધ્ય સપ્ટેમ્બર અને ઓક્ટોબરથી નવેમ્બરના પહેલા અઠવાડિયા સુધી મોડી જાતો માટે રોપણી શ્રેષ્ઠ છે.

અંતર: મુખ્ય ઋતુના પાક માટે 45x45 સે.મી.નું અંતર વાવો જ્યારે વહેલા અને મોડા પાકતા પાક માટે 45x30 સે.મી.નું અંતર વાવો.
વાવણી ઊંડાઈ: 1-2 સે.મી.ની ઊંડાઈએ બીજ વાવો.
વાવણી પદ્ધતિ: વાવણી માટે ખાડા નાખવાની પદ્ધતિ અને રોપણી પદ્ધતિઓનો ઉપયોગ કરી શકાય છે.
નર્સરીમાં બીજ વાવો અને સિંચાઈ, જરૂરિયાત મુજબ ખાતરનો ડોઝ આપો. વાવણી પછી 25-30 દિવસમાં રોપાઓ રોપવા માટે તૈયાર થઈ જાય છે. રોપણી માટે ત્રણ થી ચાર અઠવાડિયા જૂના રોપાઓનો ઉપયોગ કરો.

બીજનો દર: શરૂઆતની ઋતુની જાત માટે 500 ગ્રામ બીજનો દર જરૂરી છે જ્યારે મોડી અને મુખ્ય ઋતુની જાત માટે 250 ગ્રામ પ્રતિ એકર બીજનો દર જરૂરી છે.
બીજ માવજત: વાવણી પહેલાં બીજને ગરમ પાણીમાં (30 મિનિટ માટે 50°C) અથવા સ્ટ્રેપ્ટોસાયક્લિન@0.01 ગ્રામ/લિટર બે કલાક માટે બોળી રાખો. સારવાર પછી તેમને છાંયડામાં સૂકવો અને પછી પથારીમાં વાવો.

ખાતર: જમીનમાં સારી રીતે વિઘટિત ગાયનું છાણ @ ૪૦ ટન પ્રતિ એકર, નાઇટ્રોજન @ ૫૦ કિલો, ફોસ્ફરસ @ ૨૫ કિલો અને પોટાશ @ ૨૫ કિલો યુરિયા @ ૧૧૦ કિલો, સિંગલ સુપરફોસ્ફેટ @ ૧૫૫ કિલો અને મ્યુરેટ ઓફ પોટાશ @ ૪૦ કિલો સાથે નાખો. રોપણી પહેલાં ગાયનું છાણ, SSP અને MOP ની સંપૂર્ણ માત્રા અને યુરિયાનો અડધો જથ્થો નાખો. રોપણી પછી ચાર અઠવાડિયા પછી બાકી રહેલો યુરિયા ટોપ ડ્રેસિંગ તરીકે નાખો.

રોગ અને જીવાત નિયંત્રણ
ખાતર સાથે, ફર્ટેરા (ડુપોન્ડ) ૪ કિલો પ્રતિ એકર અથવા વર્ટીકો (સિંજેન્ટા) ૨.૫ કિલો પ્રતિ એકરનો ઉપયોગ કરો. આ ગુણોત્તર ૨૧ દિવસ સુધી ચૂસીયા જીવાતોથી રક્ષણ આપે છે.

Sl.	Disease/Pest	Control	Amount per litre of water
1	Downy Mildew	Ridomil Gold	02 g lit
2	Black rot	Blue Copper	01 g per lit
3	Diamond back moth	Fem	04 ml per 15 lit
4	Leaf Eating Caterpillar	Coragen	0.4 ml per lit
5	Sucking pest	Actra	04 g per 10 lit

નીંદણ નિયંત્રણ: નીંદણ નિયંત્રણ ચકાસવા માટે રોપણી પહેલાં ફ્લુક્લોરાલિન (બેસાલિન) ૮૦૦ મિલી/૧૫૦-૨૦૦ લિટર પાણીનો ઉપયોગ કરો અને રોપણી પછી ૩૦ થી ૪૦ દિવસ પછી હાથથી નીંદણ કરો. રોપાઓ રોપવાના એક દિવસ પહેલા પેન્ડીમેથાલિન ૧ લિટર/એકરનો ઉપયોગ કરો.

સિંચાઈ: રોપણી પછી તરત જ, પ્રથમ સિંચાઈ આપો. માટી, આબોહવાની સ્થિતિના આધારે, ઉનાળાની ઋતુમાં ૭-૮ દિવસના અંતરે અને શિયાળાની ઋતુમાં ૧૦-૧૫ દિવસના અંતરે સિંચાઈ આપો.

લણણી: યોગ્ય માથું વિકસ્યા પછી લણણી કરી શકાય છે. સવારે અથવા સાંજે લણણી કરો. લણણી પછી ઉત્પાદનને ઠંડી જગ્યાએ રાખો. લણણી પછી, દહીંના કદના આધારે વર્ગીકરણ અને ગ્રેડિંગ કરો.

નોંધ:- ઉપરોક્ત બધી માહિતી અમારા સંશોધન કેન્દ્રમાં કરવામાં આવેલા પ્રયોગ પર આધારિત છે. ઉપરોક્ત માહિતી વિવિધ સ્થળોએ અલગ અલગ આબોહવા, માટીના પ્રકાર અને ઋતુઓને કારણે બદલાઈ શકે છે.

మార్క్‌ఫీల్డ్ హైబ్రిడ్ సీడ్స్ ప్రైవేట్ లిమిటెడ్.
B-3, అదనపు ఇండస్ట్రియల్ కాలనీ, జల్నా, కస్టమర్ కేర్ మొబైల్ నం. 9405782668

కాలీఫ్లవర్
హైబ్రిడ్లు/రకాలు: - దీపాలి, నేహా

నేల: ఇసుక నుండి బంకమట్టి వరకు విస్తృత శ్రేణి నేలల్లో ఇది బాగా పెరుగుతుంది. ఆలస్యంగా విత్తిన రకానికి, బంకమట్టి లోమ్ నేలలకు ప్రాధాన్యత ఇవ్వబడుతుంది మరియు త్వరగా పరిపక్వం చెందుతున్న రకాలకు ఇసుక లోమ్ నేల సిఫార్సు చేయబడింది. నేల pH 6 నుండి 7 పరిధిలో ఉండాలి. తక్కువ pH నేల విషయంలో సున్నం జోడించండి.

భూమి తయారీ: భూమిని బాగా దున్నడం ద్వారా మట్టిని చక్కగా వంపుతిరిగిన స్థితికి తీసుకురండి. బాగా కుళ్ళిన ఆవు పేడను వేసి చివరి దున్నేటప్పుడు మట్టిలో బాగా కలపండి.

విత్తన సమయం: ప్రారంభ సీజన్ రకానికి జూన్-జూలై నాటడానికి ఉత్తమ సమయం, ప్రధాన సీజన్ రకానికి ఆగస్టు నుండి సెప్టెంబర్ మధ్య మరియు అక్టోబర్ నుండి నవంబర్ మొదటి వారం చివరి రకాలకు నాటడం ఉత్తమం.

అంతరం: ప్రధాన సీజన్ పంటకు 45x45 సెం.మీ. అంతరం ఉపయోగించండి, అయితే ప్రారంభ మరియు ఆలస్యంగా పరిపక్వమయ్యే పంటలకు 45x30 సెం.మీ. అంతరం ఉపయోగించండి.
విత్తే లోతు: 1-2 సెం.మీ. లోతులో విత్తనాలను విత్తండి.
విత్తే విధానం: విత్తడానికి డిబ్లింగ్ పద్ధతి మరియు నాట్లు వేసే పద్ధతులను ఉపయోగించవచ్చు.
నర్సరీలో విత్తనాలను విత్తండి మరియు అవసరానికి అనుగుణంగా నీటిపారుదల, ఎరువుల మోతాదు వేయండి. విత్తిన 25-30 రోజులలోపు మొలకలు నాటడానికి సిద్ధంగా ఉంటాయి. నాట్లు వేయడానికి మూడు నుండి నాలుగు వారాల వయస్సు గల మొలకలను ఉపయోగించండి.

విత్తనాల రేటు: ప్రారంభ సీజన్ రకానికి 500 గ్రాముల విత్తన రేటు అవసరం, అయితే చివరి మరియు ప్రధాన సీజన్ రకానికి ఎకరానికి 250 గ్రాముల విత్తన రేటు అవసరం.
విత్తన చికిత్స: విత్తే ముందు విత్తనాలను వేడి నీటిలో (30 నిమిషాలు 50°C) లేదా స్ట్రెప్టోసైక్లిన్ @0.01 గ్రాములు/లీటరుకు రెండు గంటలు ముంచండి. చికిత్స తర్వాత వాటిని నీడలో ఆరబెట్టి, ఆపై బెడ్ మీద విత్తండి.

ఎరువులు: ఎకరానికి బాగా కుళ్ళిన ఆవు పేడను 40 టన్నుల మట్టిలో వేయండి, దానితో పాటు నత్రజని @ 50 కిలోలు, భాస్వరం @ 25 కిలోలు మరియు పొటాష్ @ 25 కిలోలు యూరియా @ 110 కిలోలు, సింగిల్ సూపర్ ఫాస్ఫేట్ @ 155 కిలోలు మరియు మురియేట్ ఆఫ్ పొటాష్ @ 40 కిలోలు వేయండి. నాట్లు వేసే ముందు మొత్తం ఆవు పేడ, SSP మరియు MOP మరియు సగం యూరియాను వేయండి. నాట్లు వేసిన నాలుగు వారాల తర్వాత మిగిలిన యూరియాను టాప్ డ్రెస్సింగ్‌గా వేయండి.

వ్యాధులు మరియు తెగులు నియంత్రణ
ఎరువులతో పాటు, ఎకరానికి 4 కిలోలు ఫెర్టెరా (డూపాండ్) లేదా ఎకరానికి 2.5 కిలోలు వెర్టికో (సింజెంటా) ఉపయోగించండి. ఈ నిష్పత్తి 21 రోజుల పాటు రసం పీల్చే తెగుళ్ల నుండి రక్షణ కల్పిస్తుంది.

Sl.	Disease/Pest	Control	Amount per litre of water
1	Downy Mildew	Ridomil Gold	02 g lit
2	Black rot	Blue Copper	01 g per lit
3	Diamond back moth	Fem	04 ml per 15 lit
4	Leaf Eating Caterpillar	Coragen	0.4 ml per lit
5	Sucking pest	Actra	04 g per 10 lit

కలుపు నియంత్రణ: కలుపు నియంత్రణను తనిఖీ చేయడానికి మార్పిడికి ముందు ఫ్లూక్లోరాలిన్ (బసాలిన్) 800 మి.లీ/150-200 లీటర్ల నీటిని వాడండి, ఆపై నాటిన 30 నుండి 40 రోజుల తర్వాత చేతితో కలుపు తీయండి. మొలకల నాటడానికి ఒక రోజు ముందు పెండిమెథాలిన్ @ 1 లీటర్/ఎకరానికి వేయండి.

నీటిపారుదల: నాటిన వెంటనే, మొదటి నీటిపారుదల ఇవ్వండి. నేల, వాతావరణ పరిస్థితిని బట్టి, వేసవి కాలంలో 7-8 రోజులు మరియు శీతాకాలంలో 10-15 రోజుల వ్యవధిలో నీటిపారుదల ఇవ్వండి.

కోత: సరైన తల కోతను అభివృద్ధి చేసిన తర్వాత చేయవచ్చు. ఉదయం లేదా సాయంత్రం సమయంలో కోత కోయడం ప్రారంభించండి. కోత తర్వాత ఉత్పత్తిని చల్లని ప్రదేశంలో ఉంచండి. పంట కోసిన తర్వాత, పెరుగు పరిమాణాన్ని బట్టి క్రమబద్ధీకరించడం మరియు గ్రేడింగ్ చేయడం చేయండి.

గమనిక:- పైన పేర్కొన్న సమాచారం అంతా మా పరిశోధన కేంద్రంలో నిర్వహించిన ప్రయోగం ఆధారంగా రూపొందించబడింది. పైన పేర్కొన్న సమాచారం వివిధ ప్రదేశాలలో వేర్వేరు వాతావరణం, నేల రకం మరియు రుతువుల కారణంగా మారవచ్చు.

ಮಾರ್ಕ್‌ಫೀಲ್ಡ್ ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಸೀಡ್ಸ್ ಪ್ರೈ. ಲಿಮಿಟೆಡ್.
ಬಿ-3, ಹೆಚ್ಚುವರಿ ಕೈಗಾರಿಕಾ ಕಾಲೋನಿ, ಜಲ್ನಾ, ಕಸ್ಟಮರ್ ಕೇರ್ ಮೊಬೈಲ್ ಸಂಖ್ಯೆ. 9405782668

ಹೂಕೋಸು
ಹೈಬ್ರಿಡ್‌ಗಳು/ವೈವಿಧ್ಯಗಳು: - ದೀಪಾಲಿ, ನೇಹಾ

ಮಣ್ಣು: ಮರಳು ಮಿಶ್ರಿತ ಲೋಮ್‌ನಿಂದ ಜೇಡಿಮಣ್ಣಿನವರೆಗೆ ವ್ಯಾಪಕ ಶ್ರೇಣಿಯ ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಇದು ಚೆನ್ನಾಗಿ ಬೆಳೆಯಬಹುದು. ತಡವಾಗಿ ಬಿತ್ತಿದ ಪ್ರಭೇದಗಳಿಗೆ, ಜೇಡಿಮಣ್ಣಿನ ಲೋಮ್ ಮಣ್ಣನ್ನು ಆದ್ಯತೆ ನೀಡಲಾಗುತ್ತದೆ ಮತ್ತು ಆರಂಭಿಕ ಪಕ್ವತೆಯ ಪ್ರಭೇದಗಳಿಗೆ ಮರಳು ಮಿಶ್ರಿತ ಲೋಮ್ ಮಣ್ಣನ್ನು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ಮಣ್ಣಿನ pH 6 ರಿಂದ 7 ರ ವ್ಯಾಪ್ತಿಯಲ್ಲಿರಬೇಕು. ಕಡಿಮೆ pH ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಸುಣ್ಣವನ್ನು ಸೇರಿಸಿ.

ಭೂಮಿ ತಯಾರಿಕೆ: ಭೂಮಿಯನ್ನು ಚೆನ್ನಾಗಿ ಉಳುಮೆ ಮಾಡುವ ಮೂಲಕ ಮಣ್ಣನ್ನು ಉತ್ತಮವಾದ ಓರೆಗೆ ತನ್ನಿ. ಚೆನ್ನಾಗಿ ಕೊಳೆತ ಹಸುವಿನ ಸಗಣಿ ಸೇರಿಸಿ ಮತ್ತು ಕೊನೆಯ ಉಳುಮೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಮಿಶ್ರಣ ಮಾಡಿ.

ಬಿತ್ತನೆ ಸಮಯ: ಆರಂಭಿಕ ಋತುವಿನ ಪ್ರಭೇದಗಳಿಗೆ ಜೂನ್-ಜುಲೈ ನಾಟಿ ಮಾಡಲು ಉತ್ತಮ ಸಮಯ, ಮುಖ್ಯ ಋತುವಿನ ಪ್ರಭೇದಗಳಿಗೆ ಆಗಸ್ಟ್ ನಿಂದ ಸೆಪ್ಟೆಂಬರ್ ಮಧ್ಯ ಮತ್ತು ಅಕ್ಟೋಬರ್ ನಿಂದ ನವೆಂಬರ್ ಮೊದಲ ವಾರ ತಡವಾದ ಪ್ರಭೇದಗಳಿಗೆ ನಾಟಿ ಮಾಡುವುದು ಉತ್ತಮ.

ಅಂತರ: ಮುಖ್ಯ ಋತುವಿನ ಬೆಳೆಗೆ 45x45 ಸೆಂ.ಮೀ ಅಂತರವನ್ನು ಬಳಸಿ, ಆರಂಭಿಕ ಮತ್ತು ತಡವಾಗಿ ಮಾಗುವ ಬೆಳೆಗಳಿಗೆ 45x30 ಸೆಂ.ಮೀ ಅಂತರವನ್ನು ಬಳಸಿ.
ಬಿತ್ತನೆ ಆಳ: 1-2 ಸೆಂ.ಮೀ ಆಳದಲ್ಲಿ ಬೀಜಗಳನ್ನು ಬಿತ್ತಿ.
ಬಿತ್ತನೆ ವಿಧಾನ: ಬಿತ್ತನೆ ಡಿಬ್ಲಿಂಗ್ ವಿಧಾನ ಮತ್ತು ನಾಟಿ ವಿಧಾನಗಳನ್ನು ಬಳಸಬಹುದು.

ನರ್ಸರಿಯಲ್ಲಿ ಬೀಜಗಳನ್ನು ಬಿತ್ತಿ ನೀರಾವರಿ, ಅವಶ್ಯಕತೆಗೆ ಅನುಗುಣವಾಗಿ ಗೊಬ್ಬರದ ಪ್ರಮಾಣವನ್ನು ಅನ್ವಯಿಸಿ. ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡಿದ 25-30 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಸಸಿಗಳು ನಾಟಿ ಮಾಡಲು ಸಿದ್ಧವಾಗಿವೆ. ನಾಟಿ ಮಾಡಲು ಮೂರರಿಂದ ನಾಲ್ಕು ವಾರಗಳ ವಯಸ್ಸಿನ ಸಸಿಗಳನ್ನು ಬಳಸಿ.

ಬೀಜ ದರ: ಆರಂಭಿಕ ಋತುವಿನ ವಿಧಕ್ಕೆ 500 ಗ್ರಾಂ ಬೀಜ ದರ ಬೇಕಾಗುತ್ತದೆ, ಆದರೆ ತಡವಾದ ಮತ್ತು ಮುಖ್ಯ ಋತುವಿನ ವಿಧಕ್ಕೆ ಎಕರೆಗೆ 250 ಗ್ರಾಂ ಬೀಜ ದರ ಬೇಕಾಗುತ್ತದೆ.

ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ: ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡುವ ಮೊದಲು ಬೀಜಗಳನ್ನು ಬಿಸಿ ನೀರಿನಲ್ಲಿ (30 ನಿಮಿಷಗಳ ಕಾಲ 50°C) ಅಥವಾ ಸ್ಟ್ರೆಪ್ಟೋಸೈಕ್ಲಿನ್ @ 0.01 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್‌ನಲ್ಲಿ ಎರಡು ಗಂಟೆಗಳ ಕಾಲ ಅದ್ದಿ. ಸಂಸ್ಕರಣೆಯ ನಂತರ ನೆರಳಿನಲ್ಲಿ ಒಣಗಿಸಿ ನಂತರ ಹಾಸಿಗೆಯ ಮೇಲೆ ಬಿತ್ತಿ.

ಗೊಬ್ಬರ: ಎಕರೆಗೆ 40 ಟನ್ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಕೊಳೆತ ಹಸುವಿನ ಸಗಣಿಯೊಂದಿಗೆ 50 ಕೆಜಿ ಸಾರಜನಕ, 25 ಕೆಜಿ ರಂಜಕ ಮತ್ತು 25 ಕೆಜಿ ಪೊಟ್ಯಾಶ್ ಅನ್ನು 110 ಕೆಜಿ ಯೂರಿಯಾ, 155 ಕೆಜಿ ಸಿಂಗಲ್ ಸೂಪರ್‌ಫಾಸ್ಫೇಟ್ ಮತ್ತು 40 ಕೆಜಿ ಮ್ಯೂರಿಯೇಟ್ ಆಫ್ ಪೊಟ್ಯಾಶ್ ರೂಪದಲ್ಲಿ ಹಾಕಿ. ನಾಟಿ ಮಾಡುವ ಮೊದಲು ಸಂಪೂರ್ಣ ಹಸುವಿನ ಸಗಣಿ, ಎಸ್‌ಎಸ್‌ಪಿ ಮತ್ತು ಎಂಒಪಿ ಮತ್ತು ಅರ್ಧ ಪ್ರಮಾಣದ ಯೂರಿಯಾವನ್ನು ಹಾಕಿ. ನಾಟಿ ಮಾಡಿದ ನಾಲ್ಕು ವಾರಗಳ ನಂತರ ಉಳಿದ ಯೂರಿಯಾವನ್ನು ಮೇಲ್ಭಾಗದ ಗೊಬ್ಬರವಾಗಿ ಹಾಕಿ.

ರೋಗ ಮತ್ತು ಕೀಟ ನಿಯಂತ್ರಣ

ಗೊಬ್ಬರದೊಂದಿಗೆ, ಎಕರೆಗೆ 4 ಕೆಜಿ ಫೆರ್ಟೆರಾ (ಡುಪಾಂಡ್) ಅಥವಾ 2.5 ಕೆಜಿ ವರ್ಟಿಕೊ (ಸಿಂಜೆಂಟಾ) ಬಳಸಿ. ಈ ಅನುಪಾತವು 21 ದಿನಗಳವರೆಗೆ ಹೀರುವ ಕೀಟಗಳಿಂದ ರಕ್ಷಣೆ ನೀಡುತ್ತದೆ.

Sl.	Disease/Pest	Control	Amount per litre of water
1	Downy Mildew	Ridomil Gold	02 g lit
2	Black rot	Blue Copper	01 g per lit
3	Diamond back moth	Fem	04 ml per 15 lit
4	Leaf Eating Caterpillar	Coragen	0.4 ml per lit
5	Sucking pest	Actra	04 g per 10 lit

ಕಳೆ ನಿಯಂತ್ರಣ: ಕಳೆ ನಿಯಂತ್ರಣವನ್ನು ಪರಿಶೀಲಿಸಲು ಕಸಿ ಮಾಡುವ ಮೊದಲು ಫ್ಲುಕ್ಲೋರಾಲಿನ್ (ಬಸಾಲಿನ್) 800 ಮಿಲಿ / 150-200 ಲೀಟರ್ ನೀರನ್ನು ಬಳಸಿ ನಂತರ ನಾಟಿ ಮಾಡಿದ 30 ರಿಂದ 40 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಕೈ ಕಳೆ ತೆಗೆಯಿರಿ. ಸಸಿಗಳನ್ನು ನಾಟಿ ಮಾಡುವ ಒಂದು ದಿನ ಮೊದಲು ಪೆಂಡಿಮೆಥಾಲಿನ್ @ 1 ಲೀಟರ್ / ಎಕರೆಗೆ ಹಾಕಿ.

ನೀರಾವರಿ: ನಾಟಿ ಮಾಡಿದ ತಕ್ಷಣ, ಮೊದಲ ನೀರಾವರಿ ನೀಡಿ. ಮಣ್ಣು, ಹವಾಮಾನ ಸ್ಥಿತಿಯನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿ, ಬೇಸಿಗೆಯಲ್ಲಿ 7-8 ದಿನಗಳ ಮಧ್ಯಂತರದಲ್ಲಿ ಮತ್ತು ಚಳಿಗಾಲದಲ್ಲಿ 10-15 ದಿನಗಳ ಮಧ್ಯಂತರದಲ್ಲಿ ನೀರಾವರಿ ಮಾಡಿ.

ಕೊಯ್ಲು: ಸರಿಯಾದ ತಲೆ ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡಿದ ನಂತರ ಮಾಡಬಹುದು. ಬೆಳಿಗ್ಗೆ ಅಥವಾ ಸಂಜೆ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡಿ. ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡಿದ ನಂತರ ಉತ್ಪನ್ನವನ್ನು ತಂಪಾದ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಇರಿಸಿ. ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡಿದ ನಂತರ, ಮೊಸರಿನ ಗಾತ್ರವನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿ ವಿಂಗಡಣೆ ಮತ್ತು ಶ್ರೇಣೀಕರಣ ಮಾಡಿ.

ಗಮನಿಸಿ:- ಮೇಲಿನ ಎಲ್ಲಾ ಮಾಹಿತಿಯು ನಮ್ಮ ಸಂಶೋಧನಾ ಕೇಂದ್ರದಲ್ಲಿ ನಡೆಸಿದ ಪ್ರಯೋಗವನ್ನು ಆಧರಿಸಿದೆ. ಮೇಲಿನ ಮಾಹಿತಿಯು ವಿಭಿನ್ನ ಸ್ಥಳಗಳಲ್ಲಿನ ಹವಾಮಾನ, ಮಣ್ಣಿನ ಪ್ರಕಾರ ಮತ್ತು ಋತುಮಾನಗಳಿಂದಾಗಿ ಬದಲಾಗಬಹುದು.

মার্কফিল্ড হাইব্রিড ছিডছ্ প্রাইভেট লিমিটেড। লিমিটেড।
বি-৩, অতিৰিক্ত ঔদ্যোগিক কলনী, জালনা, গ্রাহক সেৱা মোবাইল নং ৯৪০৫৭৮২৬৬৮

ফুলকবি

সংকৰ/জাত: - দীপালী, নেহা

মাটিঃ বালিচহীয়া লোমৰ পৰা মাটিলৈকে বিস্তৃত মাটিত ই ভালদৰে গজিব পাৰে। পলমকৈ বীজ সিঁচা জাতৰ বাবে মাটিৰ লোম মাটি পছন্দ কৰা হয় আৰু আগতীয়াকৈ পূৰঠ হোৱা জাতৰ বাবে বালিচহীয়া লোম মাটি ব্যৱহাৰ কৰাটো বাঞ্ছনীয়। মাটিৰ পি এইচ ৬ৰ পৰা ৭ৰ ভিতৰত হ'ব লাগে।কম পি এইচ মাটিৰ ক্ষেত্রত চূণ দিব লাগে।

মাটিৰ প্রস্তুতি: মাটি ভালদৰে হাল বাই মাটি মিহিকৈ খেতি কৰাব লাগে। ভালদৰে পচি যোৱা গৰুৰ গোবৰ দি শেষবাৰৰ বাবে হাল বাই খোৱাৰ সময়ত মাটিত ভালদৰে মিহলাই দিব।

বীজ সিঁচাৰ সময়: আৰম্ভণিৰ ঋতুৰ জাতৰ বাবে জুন-জুলাই মাহটো ৰোপণৰ সময় উত্তম, মূল বতৰৰ জাতৰ বাবে আগষ্টৰ পৰা ছেপ্টেম্বৰৰ মাজভাগলৈকে আৰু অক্টোবৰৰ পৰা নৱেম্বৰৰ প্রথম সপ্তাহলৈকে শেষৰ জাতৰ বাবে ৰোপণ কৰাটো উত্তম।

ব্যৱধান: মূল ঋতুৰ শস্যৰ বাবে ৪৫x৪৫ চে.মি.ৰ ব্যৱধান ব্যৱহাৰ কৰক আনহাতে আগতীয়া আৰু পলমকৈ পূৰঠ শস্যৰ বাবে ৪৫x৩০ চে.মি.
বীজ সিঁচাৰ গভীৰতাঃ ১-২ চে.মি. গভীৰতাত বীজ সিঁচিব লাগে।
বীজ সিঁচাৰ পদ্ধতি: বীজ সিঁচাৰ বাবে ডিবলিং পদ্ধতি আৰু ৰোপণ পদ্ধতি ব্যৱহাৰ কৰিব পাৰি।
নার্চাৰীত বীজ সিঁচি প্রয়োজন অনুসৰি জলসিঞ্চন, সাৰৰ মাত্রা প্রয়োগ কৰিব লাগে। বীজ সিঁচাৰ ২৫-৩০ দিনৰ ভিতৰত পুলি ৰোপণ কৰিবলৈ সাজু হয়। ৰোপণৰ বাবে তিনিৰ পৰা চাৰি সপ্তাহ বয়সৰ পুলি ব্যৱহাৰ কৰিব লাগে।

বীজৰ হাৰ: আৰম্ভণিৰ ঋতুৰ বাবে ৫০০ গ্রাম বীজৰ হাৰ প্রয়োজন হয় আনহাতে শেষ আৰু মূল বতৰৰ বাবে প্রতি একৰত ২৫০ গ্রাম জাতৰ বীজৰ হাৰ প্রয়োজন।
বীজৰ চিকিৎসা: বীজ সিঁচাৰ আগতে গৰম পানীত (৫০ ডিগ্রী চেলছিয়াছত ৩০ মিনিট) বা ষ্ট্রেপ্ট'চাইক্লিন@০.০১ গ্রাম/লিটাৰত দুঘণ্টা ধৰি বীজ ডুবাই ৰাখিব লাগে। চিকিৎসাৰ পিছত ছাঁত শুকুৰাই লওক আৰু তাৰ পিছত বিচনাত সিঁচিব লাগে।

সাৰঃ ভালকৈ পচি যোৱা গৰুৰ গোবৰ@৪০ টন প্রতি একৰ মাটিত নাইট্রজেন@৫০ কেজি, ফ'ফ'ৰাছ@২৫ কেজি আৰু পটাছ@২৫ কেজি ইউৰিয়া@১১০ কেজি, চিংগল ছুপাৰফছফেট@১৫৫ কেজি আৰু মিউৰিয়েট অৱ পটাছ@৪০ কেজিৰ ৰূপত প্রয়োগ কৰিব লাগে। ৰোপণৰ আগতে গোটেই পৰিমাণৰ গৰুৰ গোবৰ, এছ্ এছ্ পি আৰু এম অ' পি আৰু আধা পৰিমাণৰ ইউৰিয়া প্রয়োগ কৰিব লাগে। প্রতিস্থাপনৰ চাৰি সপ্তাহৰ পিছত বাকী থকা পৰিমাণৰ ইউৰিয়া শীর্ষ ড্রেছিং হিচাপে প্রয়োগ কৰিব লাগে।

ৰোগ আৰু কীট-পতংগ নিয়ন্ত্রণ
সাৰৰ লগতে প্রতি একৰত ফেৰটেৰা (ডুপণ্ড) ৪ কিলোগ্রাম বা ভাটিকো (Syngenta) ২.৫ কিলোগ্রাম প্রতি একৰত ব্যৱহাৰ কৰিব লাগে। এই অনুপাতে ২১ দিনলৈকে কীট-পতংগ চুহি লোৱাৰ পৰা সুৰক্ষা প্রদান কৰে।

Sl.	Disease/Pest	Control	Amount per litre of water
1	Downy Mildew	Ridomil Gold	02 g lit
2	Black rot	Blue Copper	01 g per lit
3	Diamond back moth	Fem	04 ml per 15 lit
4	Leaf Eating Caterpillar	Coragen	0.4 ml per lit
5	Sucking pest	Actra	04 g per 10 lit

অপতৃণ নিয়ন্ত্রণ: অপতৃণ নিয়ন্ত্রণ পৰীক্ষা কৰিবলৈ প্রতিস্থাপনৰ পূর্বে Fluchloralin (Basalin)800ml/150-200 Ltr পানী প্রয়োগ কৰিব লাগে আৰু তাৰ পিছত ৰোপণৰ ৩০ৰ পৰা ৪০ দিনৰ পিছত হাতেৰে অপতৃণ কাটিব লাগে। পুলি ৰোপণৰ এদিন আগতে Pendimethalin@1 Ltr/acre প্রয়োগ কৰিব লাগে।

জলসিঞ্চন: ৰোপণ কৰাৰ লগে লগে প্রথমে জলসিঞ্চন কৰিব লাগে। মাটি, জলবায়ুৰ অৱস্থাৰ ওপৰত নির্ভৰ কৰি গ্রীষ্মকালত ৭-৮ দিনৰ ব্যৱধানত আৰু শীতকালত ১০-১৫ দিনৰ ব্যৱধানত জলসিঞ্চন কৰিব লাগে।

চপোৱা: সঠিক বিকাশৰ পিছত মূৰ চপোৱাৰ কাম কৰিব পাৰি। ৰাতিপুৱা বা গধূলিৰ সময়ত চপোৱাৰ কাম কৰিব লাগে। চপোৱাৰ পিছত সামগ্রী ঠাণ্ডা ঠাইত ৰাখক। চপোৱাৰ পিছত দৈৰ আকাৰৰ ওপৰত নির্ভৰ কৰি ছর্টিং আৰু গ্রেডিং কৰক।

বি:দ্র:- ওপৰৰ সকলো তথ্য আমাৰ গৱেষণা কেন্দ্রত কৰা পৰীক্ষাৰ ওপৰত ভিত্তি কৰি দিয়া হৈছে। বিভিন্ন স্থানত বিভিন্ন জলবায়ু, মাটিৰ প্রকাৰ আৰু ঋতুৰ বাবে ওপৰৰ তথ্যসমূহ ভিন্ন হ'ব পাৰে।

মার্কফিল্ড হাইব্রিড সিডস প্রাইভেট লিমিটেড
বি-৩, অতিরিক্ত শিল্প কলোনি, জালনা, কাস্টমার কেয়ার মোবাইল নং ৯৪০৫৭৮২৬৬৮

ফুলকপি
হাইব্রিড/জাত: - দীপালি, নেহা

মাটি: বেলে দোআঁশ থেকে এঁটেল পর্যন্ত বিস্তৃত মাটিতে এটি ভালো জন্মাতে পারে। দেরিতে বপন করা জাতের জন্য, এঁটেল দোআঁশ মাটি পছন্দ করা হয় এবং তাড়াতাড়ি পাকা জাতের জন্য বেলে দোআঁশ মাটি সুপারিশ করা হয়। মাটির pH ৬ থেকে ৭ এর মধ্যে হওয়া উচিত। কম pH মাটির ক্ষেত্রে চুন যোগ করুন।

জমি প্রস্তুতি: জমি ভালোভাবে চাষ করে মাটিকে সূক্ষ্মভাবে চাষ করুন। শেষ চাষের সময় ভালোভাবে পচনশীল গোবর যোগ করুন এবং মাটিতে ভালোভাবে মিশিয়ে দিন।

বপনের সময়: প্রথম মৌসুমের জাতের জন্য জুন-জুলাই রোপণের সর্বোত্তম সময়, প্রধান মৌসুমের জাতের জন্য আগস্ট থেকে সেপ্টেম্বরের মাঝামাঝি এবং অক্টোবর থেকে নভেম্বরের প্রথম সপ্তাহ পর্যন্ত দেরিতে রোপণের সর্বোত্তম সময়।

ব্যবধান: প্রধান মৌসুমের ফসলের জন্য ৪৫x৪৫ সেমি এবং প্রথম ও শেষের দিকে পাকা ফসলের জন্য ৪৫x৩০ সেমি ব্যবধান ব্যবহার করুন।
বপন গভীরতা: ১-২ সেমি গভীরতায় বীজ বপন করুন।
বপন পদ্ধতি: বপনের জন্য খনন পদ্ধতি এবং রোপণ পদ্ধতি ব্যবহার করা যেতে পারে।

নার্সারিতে বীজ বপন করুন এবং প্রয়োজন অনুসারে সেচ, সার প্রয়োগ করুন। বীজ বপনের ২৫-৩০ দিনের মধ্যে চারা রোপণের জন্য প্রস্তুত হয়। রোপণের জন্য তিন থেকে চার সপ্তাহ বয়সী চারা ব্যবহার করুন।

বীজের হার: প্রথম মৌসুমের জাতের জন্য ৫০০ গ্রাম বীজের হার প্রয়োজন, অন্যদিকে শেষ ও প্রধান মৌসুমের জাতের জন্য প্রতি একরে ২৫০ গ্রাম বীজের হার প্রয়োজন।

বীজ শোধন: বপনের আগে বীজ গরম পানিতে (৫০°C তাপমাত্রায় ৩০ মিনিট) অথবা স্ট্রেপ্টোসাইক্লিন@০.০১ গ্রাম/লিটার দুই ঘন্টা ডুবিয়ে রাখুন। শোধনের পর ছায়ায় শুকিয়ে নিন এবং তারপর বিছানায় বপন করুন।

সার: মাটিতে প্রতি একরে ভালোভাবে পচা গোবর @৪০ টন, নাইট্রোজেন @৫০ কেজি, ফসফরাস @২৫ কেজি এবং পটাশ @২৫ কেজি, ইউরিয়া @১১০ কেজি, সিঙ্গেল সুপারফসফেট @১৫৫ কেজি এবং মিউরেট অফ পটাশ @৪০ কেজি প্রয়োগ করুন। চারা রোপণের আগে গোবর, এসএসপি এবং এমওপি সম্পূর্ণ পরিমাণ এবং ইউরিয়া অর্ধেক পরিমাণ প্রয়োগ করুন। চারা রোপণের চার সপ্তাহ পরে অবশিষ্ট পরিমাণ ইউরিয়া শীর্ষ ড্রেসিং হিসাবে প্রয়োগ করুন।

রোগ এবং কীটপতঙ্গ নিয়ন্ত্রণ
সারের পাশাপাশি, প্রতি একরে ফেরটেরা (ডুপন্ড) ৪ কেজি বা ভার্টিকো (সিনজেন্টা) ২.৫ কেজি ব্যবহার করুন। এই অনুপাত ২১ দিনের জন্য শোষক পোকামাকড় থেকে সুরক্ষা দেয়।

Sl.	Disease/Pest	Control	Amount per litre of water
1	Downy Mildew	Ridomil Gold	02 g lit
2	Black rot	Blue Copper	01 g per lit
3	Diamond back moth	Fem	04 ml per 15 lit
4	Leaf Eating Caterpillar	Coragen	0.4 ml per lit
5	Sucking pest	Actra	04 g per 10 lit

আগাছা নিয়ন্ত্রণ: আগাছা নিয়ন্ত্রণ পরীক্ষা করতে রোপণের আগে ফ্লুক্লোরালিন (ব্যাসালিন) ৮০০ মিলি/১৫০-২০০ লিটার পানিতে প্রয়োগ করুন এবং রোপণের ৩০ থেকে ৪০ দিন পর হাতে আগাছা পরিষ্কার করুন। চারা রোপণের একদিন আগে পেন্ডিমেথালিন ১ লিটার/একর প্রয়োগ করুন।

সেচ: রোপণের পরপরই, প্রথম সেচ দিন। মাটি, জলবায়ু অবস্থার উপর নির্ভর করে, গ্রীষ্মকালে ৭-৮ দিন এবং শীতকালে ১০-১৫ দিন অন্তর সেচ দিন।

ফসল সংগ্রহ: সঠিক মাথা গজানোর পর ফসল কাটা সম্ভব। সকালে বা সন্ধ্যায় ফসল কাটা শুরু করুন। ফসল কাটার পর পণ্যটি ঠান্ডা জায়গায় রাখুন। ফসল তোলার পর, দইয়ের আকারের উপর নির্ভর করে বাছাই এবং গ্রেডিং করুন।

বিঃদ্রঃ- উপরের সমস্ত তথ্য আমাদের গবেষণা কেন্দ্রে পরিচালিত পরীক্ষার উপর ভিত্তি করে। বিভিন্ন স্থানে বিভিন্ন জলবায়ু, মাটির ধরণ এবং ঋতুর কারণে উপরের তথ্যগুলি পরিবর্তিত হতে পারে।

ਮਾਰਕਫੀਲਡ ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਸੀਡਜ਼ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਲਿਮਟਿਡ
ਬੀ-3, ਐਡੀਸ਼ਨਲ ਇੰਡਸਟਰੀਅਲ ਕਲੋਨੀ, ਜਾਲਨਾ, ਕਸਟਮਰ ਕੇਅਰ ਮੋਬਾਈਲ ਨੰਬਰ 9405782668

ਫੁੱਲ ਗੋਭੀ

ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ/ਕਿਸਮਾਂ: - ਦੀਪਾਲੀ, ਨੇਹਾ

ਮਿੱਟੀ: ਇਹ ਰੇਤਲੀ ਦੋਮਟ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਮਿੱਟੀ ਤੱਕ ਦੀ ਵਿਸ਼ਾਲ ਸ਼੍ਰੇਣੀ ਵਿੱਚ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉੱਗ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਦੇਰ ਨਾਲ ਬੀਜੀਆਂ ਜਾਣ ਵਾਲੀਆਂ ਕਿਸਮਾਂ ਲਈ, ਮਿੱਟੀ ਵਾਲੀ ਦੋਮਟ ਮਿੱਟੀ ਨੂੰ ਤਰਜੀਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਜਲਦੀ ਪੱਕਣ ਵਾਲੀਆਂ ਕਿਸਮਾਂ ਲਈ ਰੇਤਲੀ ਦੋਮਟ ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਮਿੱਟੀ ਦਾ pH 6 ਤੋਂ 7 ਦੇ ਦਾਇਰੇ ਵਿੱਚ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਘੱਟ pH ਵਾਲੀ ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਸਥਿਤੀ ਵਿੱਚ ਚੂਨਾ ਪਾਓ।

ਜ਼ਮੀਨ ਦੀ ਤਿਆਰੀ: ਜ਼ਮੀਨ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਾਹੁਣ ਦੁਆਰਾ ਮਿੱਟੀ ਨੂੰ ਬਰੀਕ ਭੁਰਭੁਰਾ ਬਣਾਓ। ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੜਿਆ ਹੋਇਆ ਗੋਬਰ ਪਾਓ ਅਤੇ ਆਖਰੀ ਵਾਹੀ ਦੇ ਸਮੇਂ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਿਲਾਓ।

ਬਿਜਾਈ ਦਾ ਸਮਾਂ: ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਸੀਜ਼ਨ ਕਿਸਮ ਲਈ ਜੂਨ-ਜੁਲਾਈ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਟ੍ਰਾਂਸਪਲਾਂਟ ਸਮਾਂ ਹੈ, ਮੁੱਖ ਸੀਜ਼ਨ ਕਿਸਮ ਲਈ ਅਗਸਤ ਤੋਂ ਮੱਧ ਸਤੰਬਰ ਅਤੇ ਅਕਤੂਬਰ ਤੋਂ ਨਵੰਬਰ ਦੇ ਪਹਿਲੇ ਹਫ਼ਤੇ ਤੱਕ ਦੇਰ ਨਾਲ ਬੀਜੀਆਂ ਜਾਣ ਵਾਲੀਆਂ ਕਿਸਮਾਂ ਲਈ ਟ੍ਰਾਂਸਪਲਾਂਟ ਕਰਨਾ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਹੈ।

ਫਾਸਲਾ: ਮੁੱਖ ਮੌਸਮ ਦੀ ਫਸਲ ਲਈ 45x45 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਦਾ ਫਾਸਲਾ ਵਰਤੋ ਜਦੋਂ ਕਿ ਜਲਦੀ ਅਤੇ ਦੇਰ ਨਾਲ ਪੱਕਣ ਵਾਲੀ ਫਸਲ ਲਈ 45x30 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਦਾ ਫਾਸਲਾ ਰੱਖੋ।
ਬਿਜਾਈ ਦੀ ਡੂੰਘਾਈ: 1-2 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਦੀ ਡੂੰਘਾਈ 'ਤੇ ਬੀਜ ਬੀਜੋ।
ਬਿਜਾਈ ਦਾ ਤਰੀਕਾ: ਬਿਜਾਈ ਲਈ ਟੋਏ ਪੁੱਟਣ ਦਾ ਤਰੀਕਾ ਅਤੇ ਟ੍ਰਾਂਸਪਲਾਂਟਿੰਗ ਦੇ ਤਰੀਕੇ ਵਰਤੇ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ।

ਨਰਸਰੀ ਵਿੱਚ ਬੀਜ ਬੀਜੋ ਅਤੇ ਸਿੰਚਾਈ, ਖਾਦ ਦੀ ਮਾਤਰਾ ਲੋੜ ਅਨੁਸਾਰ ਪਾਓ। ਬੀਜ ਬੀਜਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ 25-30 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ-ਅੰਦਰ ਟ੍ਰਾਂਸਪਲਾਂਟ ਕਰਨ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਟ੍ਰਾਂਸਪਲਾਂਟ ਲਈ ਤਿੰਨ ਤੋਂ ਚਾਰ ਹਫ਼ਤੇ ਪੁਰਾਣੇ ਪੌਦਿਆਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰੋ।

ਬੀਜ ਦਰ: ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਮੌਸਮ ਦੀ ਕਿਸਮ ਲਈ 500 ਗ੍ਰਾਮ ਬੀਜ ਦਰ ਦੀ ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਜਦੋਂ ਕਿ ਦੇਰ ਨਾਲ ਅਤੇ ਮੁੱਖ ਮੌਸਮ ਦੀ ਕਿਸਮ ਲਈ 250 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਬੀਜ ਦਰ ਦੀ ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਬੀਜ ਉਪਚਾਰ: ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਬੀਜਾਂ ਨੂੰ ਗਰਮ ਪਾਣੀ (50°C 30 ਮਿੰਟ ਲਈ) ਜਾਂ ਸਟ੍ਰੈਪਟੋਸਾਈਕਲੀਨ@0.01 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ ਵਿੱਚ ਦੋ ਘੰਟਿਆਂ ਲਈ ਡੁਬੋ ਦਿਓ। ਇਲਾਜ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਛਾਂ ਵਿੱਚ ਸੁਕਾਓ ਅਤੇ ਫਿਰ ਬੈੱਡ 'ਤੇ ਬੀਜੋ।

ਖਾਦ: ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੜੇ ਹੋਏ ਗਾਂ ਦੇ ਗੋਬਰ @40 ਟਨ ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਈਟ੍ਰੋਜਨ @50 ਕਿਲੋ, ਫਾਸਫੋਰਸ @25 ਕਿਲੋ ਅਤੇ ਪੋਟਾਸ਼ @25 ਕਿਲੋ ਯੂਰੀਆ @110 ਕਿਲੋ, ਸਿੰਗਲ ਸੁਪਰਫਾਸਫੇਟ @155 ਕਿਲੋ ਅਤੇ ਮਿਊਰੇਟ ਆਫ਼ ਪੋਟਾਸ਼ @40 ਕਿਲੋ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਪਾਓ। ਗਾਂ ਦੇ ਗੋਬਰ ਦੀ ਪੂਰੀ ਮਾਤਰਾ, SSP ਅਤੇ MOP ਅਤੇ ਅੱਧੀ ਮਾਤਰਾ ਯੂਰੀਆ ਟ੍ਰਾਂਸਪਲਾਂਟ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਪਾਓ। ਬਾਕੀ ਬਚੀ ਯੂਰੀਆ ਟ੍ਰਾਂਸਪਲਾਂਟ ਕਰਨ ਤੋਂ ਚਾਰ ਹਫ਼ਤੇ ਬਾਅਦ ਟਾਪ ਡਰੈਸਿੰਗ ਵਜੋਂ ਪਾਓ।

ਬਿਮਾਰੀ ਅਤੇ ਕੀਟ ਨਿਯੰਤਰਣ
ਖਾਦ ਦੇ ਨਾਲ, ਫਰਟੇਰਾ (ਡੁਪੌਂਡ) 4 ਕਿਲੋ ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਜਾਂ ਵਰਟੀਕੋ (ਸਿੰਜੈਂਟਾ) 2.5 ਕਿਲੋ ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰੋ। ਇਹ ਅਨੁਪਾਤ 21 ਦਿਨਾਂ ਲਈ ਚੂਸਣ ਵਾਲੇ ਕੀੜਿਆਂ ਤੋਂ ਸੁਰੱਖਿਆ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦਾ ਹੈ।

Sl.	Disease/Pest	Control	Amount per litre of water
1	Downy Mildew	Ridomil Gold	02 g lit
2	Black rot	Blue Copper	01 g per lit
3	Diamond back moth	Fem	04 ml per 15 lit
4	Leaf Eating Caterpillar	Coragen	0.4 ml per lit
5	Sucking pest	Actra	04 g per 10 lit

ਨਦੀਨ ਕੰਟਰੋਲ: ਨਦੀਨਾਂ ਦੀ ਰੋਕਥਾਮ ਦੀ ਜਾਂਚ ਕਰਨ ਲਈ ਟ੍ਰਾਂਸਪਲਾਂਟੇਸ਼ਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਫਲੂਚੇਰਾਲਿਨ (ਬੇਸਾਲਿਨ) 800 ਮਿ.ਲੀ./150-200 ਲੀਟਰ ਪਾਣੀ ਪਾਓ ਅਤੇ ਟ੍ਰਾਂਸਪਲਾਂਟੇਸ਼ਨ ਤੋਂ 30 ਤੋਂ 40 ਦਿਨ ਬਾਅਦ ਹੱਥ ਨਾਲ ਗੋਡੀ ਕਰੋ। ਪੌਦੇ ਲਗਾਉਣ ਤੋਂ ਇੱਕ ਦਿਨ ਪਹਿਲਾਂ ਪੈਂਡੀਮੇਥਾਲਿਨ 1 ਲੀਟਰ/ਏਕੜ ਪਾਓ।

ਸਿੰਜਾਈ: ਟ੍ਰਾਂਸਪਲਾਂਟੇਸ਼ਨ ਤੋਂ ਤੁਰੰਤ ਬਾਅਦ, ਪਹਿਲਾ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ। ਮਿੱਟੀ, ਮੌਸਮ ਦੀ ਸਥਿਤੀ ਦੇ ਅਧਾਰ ਤੇ, ਗਰਮੀਆਂ ਦੇ ਮੌਸਮ ਵਿੱਚ 7-8 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਤਰਾਲ 'ਤੇ ਅਤੇ ਸਰਦੀਆਂ ਦੇ ਮੌਸਮ ਵਿੱਚ 10-15 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਤਰਾਲ 'ਤੇ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ।

ਕਟਾਈ: ਸਹੀ ਸਿਰ ਵਿਕਸਤ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਕਟਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਕਟਾਈ ਸਵੇਰੇ ਜਾਂ ਸ਼ਾਮ ਦੇ ਸਮੇਂ ਕਰੋ। ਕਟਾਈ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਉਤਪਾਦ ਨੂੰ ਠੰਢੀ ਜਗ੍ਹਾ 'ਤੇ ਰੱਖੋ। ਕਟਾਈ ਤੋਂ ਬਾਅਦ, ਦਹੀਂ ਦੇ ਆਕਾਰ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਛਾਂਟੀ ਅਤੇ ਗਰੇਡਿੰਗ ਕਰੋ।

ਨੋਟ:- ਉਪਰੋਕਤ ਸਾਰੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਸਾਡੇ ਖੋਜ ਕੇਂਦਰ ਵਿਖੇ ਕੀਤੇ ਗਏ ਪ੍ਰਯੋਗ 'ਤੇ ਅਧਾਰਤ ਹੈ। ਉਪਰੋਕਤ ਜਾਣਕਾਰੀ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਥਾਵਾਂ 'ਤੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਜਲਵਾਯੂ, ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਕਿਸਮ ਅਤੇ ਮੌਸਮਾਂ ਦੇ ਕਾਰਨ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ।